# क्रिया योग प्रतिज्ञा

हे परमपिता, दिव्य माँ, मित्र, प्रियतम ईश्वर,

जीसस क्राइस्ट, बाबाजी-कृष्ण, लाहिड़ी महाशय , स्वामी श्री युक्तेश्वर, प्रिय गुरुदेव परमहंस योगानंद जी, हम आप सभी को विनम्रतापूर्वक प्रणाम करते हैं।

मैं क्रिया योग का अभ्यास निष्ठापूर्वक तथा नियमित रूप से करूँगा जैसा कि मुझे सिखाया गया है। मैं इस तकनीक को आनंद संघ के धर्माचार्य या किसी योग्य क्रिया योग शिक्षक की अनुमति के बिना किसी को भी नहीं बताऊंगा।

मैं इन फूलों को ईश्वर, गुरुओं और आत्म-बोध के इस मार्ग के प्रति अपनी बिना शर्त भक्ति के प्रतीक के रूप में समर्पित करता हूँ। मैं यह फल अपने अतीत के बुरे कर्म के प्रतीक के रूप में समर्पित करता हूँ, जो कि मेरे दैनिक अभ्यास और आपकी कृपा के द्वारा पवित्र होंगे। मैं यह दक्षिणा, मुझे प्राप्त होने वाले आशीर्वाद, को सभी के साथ बांटने की अपनी इच्छा के प्रतीक के रूप में समर्पित करता हूँ। मुझे दृढ़ बनाये रखें, जब तक मुझे आपका बोध न हो जाए ।

ॐ शांति शांति शांति

क्रिया योग में दीक्षा प्राप्त की _____ दिनांक _____ क्रियाचार्य _____